हिन्दी विभाग
२०१७-१८

सीताबाई कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा हिन्दी भाषा संबंधी साप्ताहिक चर्चा आयोजित की गयीं जिसमें विभाग के समस्त प्राध्यापकों ने भाग लिया। इसमें हिंदी भाषा के प्रसार पर चर्चा की गयी । हिंदी भाषा में वर्तमान में प्रयुक्त होने वाले हिंदी, संस्कृत, उर्दू व फारसी के अनेक शब्दों पर व व्याकरण पर विशेष चर्चा की गयी। लेखक केदारनाथसिंह के निधन पर उन्हें विभाग की ओर से श्रद्धांजली दी गयी । विद्यार्थियों को शैक्षणिक यात्रा (सहल) हेतु पी.के.वी. ले जाया गया

। विद्यार्थियों द्वारा हस्तलिखित 'साहित्य पुस्तिका' का विमोचन विभाग में किया गया। विद्यार्थियों की सहायतार्थ निर्मित वेबसाईट 'हिंदी कंप्यूटर डॉट कॉम' का अपडेशन किया गया।

हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ.एस.के.केसवानी को सं.गा.बा.अमरावती विद्यापीठ द्वारा स्नातक व स्नातकोत्तर हिंदी के द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम निर्माण हेतु विशेष निमंत्रण दिया गया । विशेष तौर पर स्नातकोत्तर हिंदी द्वितीय वर्ष प्रथम व द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम पर चर्चा की गयी व उसे विद्यापीठ में प्रस्तुति के लिए तैयार किया गया।

हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ.एस.के.केसवानी ने ३ हिन्दी संगोष्ठियों में भाग लिया व ४ शोध पत्र प्रस्तुत किए, विभिन्न पुस्ताकों में उनके शोधालेख प्रकाशित हुए तथा स्थानीय समाचार पत्रों में उनके आलेख प्रकाशित हुए । डॉ.एस.के.केसवानी द्वारा मायनर रिसर्च प्रोजेक्ट का कार्य किया गया । विभाग के प्रा.पूनम मानकर, प्रा.कोमल श्रीवास व प्रा.सारिका अग्रवाल के शोधालेख प्रकाशित हुए । हिंदी विभाग के प्रा.पूनम मानकर, प्रा.कोमल श्रीवास ने अपने पी-एच.डी के कार्य में प्रगति जारी रखी। डॉ.रामप्रकाश वर्मा द्वारा काव्य संग्रह के प्रकाशन को अंतिम रूप दिया गया। डॉ.एस.के. केसवानी ने राष्ट्रभाषा सेवी समाज की मासिक गोष्ठियों में अपने आलेखों का नियमित वाचन किया

स्नातकोत्तर हिंदी द्वितीय वर्ष प्रथम व द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम पर चर्चा

।

विद्यार्थियों को शैक्षणिक यात्रा (सहल) हेतु पी.के.वी.